International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 7.924 Volume 11, Issue 12, Dec 2024
Website- www.aarf.asia, **Email** : editoraarf@gmail.com

''कोटा जिले में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सहसंबंध का अध्ययन''

("A Study of correlation between spiritual intelligence and mental health among senior secondary level students of Kota District")

प्रो. (डॉ.) सुशमा सिंह
शोध निर्देशक, प्राचार्य
जवाहर लाल नेहरू शिक्षक प्रशिक्षण
महाविद्यालय, कोटा (राज.)

रंजीता सिंह
पी.एचडी. शोधार्थी
शिक्षा संकाय
कोटा विश्वविद्यालय, कोटा (राज.)

सारां

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना है। यह अध्ययन कोटा जिले में स्थित उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय तथा निजी विद्यालयों की कक्षा 11 तथा 12 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों पर सम्पादित किया गया है।

अतः अध्ययन के लिए कुल 600 उत्तरदाताओं का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है।

सर्वेक्षण विधि के अन्तर्गत स्वनिर्मित आध्यात्मिक बुद्धि मापनी तथा डॉ. अरूण कुमार सिंह एवं डॉ. अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित 'मानसिक स्वास्थ्य बैटरी' का उपयोग किया गया है। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सूक्ष्म एव नगण्य धनात्मक सहसंबंधा पाया गया है।

Key Words – उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी, आध्यात्मिक बुद्धि, मानसिक स्वास्थ्य

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

प्रस्तावना (Introduction)

मानव जीवन में शिक्षा की एक अहम् भूमिका है। शिक्षा व्यक्ति की व्यक्तिकता का पूर्ण विकास करती है। जिसके द्वारा वह अपनी पूर्ण योग्यता के अनुसार मानव जीवन को सही योगदान दे सकें। शिक्षा मानव जीवन की जिज्ञासा को उपर ले जाने वाले साधन है, जिससे वह अपनी बुद्धि एवं अन्तः प्रज्ञा के अनुसाार सामाजिक एवं व्यक्तिगत जीवन–यापन कर सकें परन्तु बुद्धि सभी व्यक्तियों में भिन्न–भिन्न होता है। मनुष्य की बुद्धि की भिन्नता का कारण उनकी परिवरिश, संस्कार या जन्मजात हो सकता है। परन्तु मानव जीवन अपनी आध्यात्मिक बुद्धि का विकास कर जीवन में आगे बढ़ सकता है।

आध्यात्मिक बुद्धि जन्मजात आन्तरिक आध्यात्मिक गुणों, पारदर्शी सोच, कार्यों और अभिवृत्ति को प्रकट करने की क्रिया है। आध्यात्मिक होने के लिए सोचना, करना और आपस में सम्बन्धित रहना आवश्यक है।

आध्यात्मिक बुद्धि व्यक्ति को संतोष, सुख एवं सफलता की ओर प्रेरित करते हुए समय व शक्ति का श्रेष्ठ उपयोग सुनिश्चित करती है। साथ ही एक दूसरे का सम्मान करना सीखाती है। आध्यात्मिक बुद्धिमता से युक्त व्यक्ति अपने जीवन में संतुष्ट होता है, जीवन की चुनौतियों का तनाव मुक्त होकर समाधान करता है। ऐसा व्यक्ति नैतिक मूल्यों से भरपूर एवं जीवन उद्देश्यों की प्राप्ति में अलौकिक शक्तियों में विश्वास करते हुए प्रार्थना एवं आध्यात्मिकता से अपनी आन्तरिक शक्तियों में विश्वास आदि गुणों तथा अच्छे बुरे का अन्तर करने की क्षमता को विकसित करती है। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में इन गुणों का होना आवश्यक है। एक विद्यार्थी इन गुणों का विकास तभी कर पायेगा जब उसका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा हो।

मानसिक स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कार्यों में संतुलन बनाना है। मानसिक स्वास्थ्य मानसिक तुदुरूस्ती की एक ऐसी स्थिति है, वो लोगों को जीवन में तनावों को निपटने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, अच्छी तरह से सीखने और काम करने तथा अपने समुदाय में योगदान करने में सक्षम बनाती है।

अर्थात् यदि किसी विद्यार्थी की आध्यात्मिक बुद्धि और मानसिक स्वास्थ्य के मध्य तालमेल अच्छा है, तो वह अपनी जीवन के कठिन परिस्थितियों का समाना कर, अपने लक्ष्यों की अग्रसर रहते है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

भाोध अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होता है।

भाोध अध्ययन के न्याद□ा

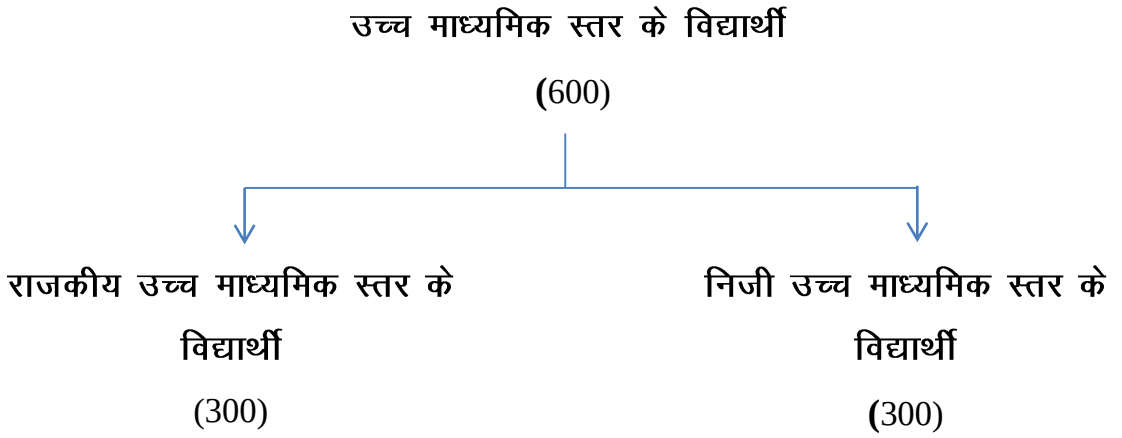

भाोध विधि

शोधार्थी द्वारा अपनी समस्या की प्रकृति एवं उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है जिसके अंतर्गत प्राथमिक आंकड़ों का संग्रहण चयनित न्यादर्श से उपकरणों के माध्यम से किया गया है। प्रस्तुत शोध में दत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित आध्यात्मिक बुद्धि मापनी डॉ. अरूण कुमार सिंह व डॉ. अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित ''मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का उपयोग किया गया है। इस स्वनिर्मित आध्यात्मिक बुद्धि मापनी के अंतर्गत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के धर्म, आध्यात्मिक/आत्म साक्षात्कार परानुभूति तथा जीवन जीने की कला संबंधी आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन किया गया है तथा मानसिक स्वास्थ्य बैटरी, मापनी के अंतर्गत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के संवेगात्मक स्थिरता,, सम्पूर्ण समायोजन स्वायतता,

सुरक्षाा–असुरक्षा, आत्म–सम्प्रत्यय व बुद्धिमता क्षेत्रों का समग्र विश्लेषण कर आध्यात्मिक बुद्धि व मानसिक स्वास्थ्य के मध्य उनको सहसंबंध का अध्ययन किया गया है।

वि□लेशण एवं व्याख्या –

शोधार्थी द्वारा दत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित आध्यात्मिक बुद्धि मापनी एवं डॉ. अरूण कुमार व डॉ. अल्पना सेन द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का राजकीय एवं निजी विद्यालयों के उच्च माध्यमिक स्तर के 600 विद्यार्थियों के समूह पर प्रशासित किया गया। इस उपकरण से प्राप्त दत्तों का निर्धारित उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं के आधार पर सारणीयन एवं विश्लेषण निम्नलिखित है –

1. राजकीय एवं निजी विद्यालयों के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सहसंबंध विश्लेषण

सारणी 1

क्र. सं.	मापित चर	विद्यार्थियों की संख्या	सहसंबंध गुणांक	परिणाम
1	आध्यात्मिक बुद्धि	600	0.202	सार्थक (.05) एवं (.01) सूक्ष्म एव ंनगण्य धनात्मक सहसंबंध
	मानसिक स्वास्थ्य	600		

राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के सहसंबंध का आरेख

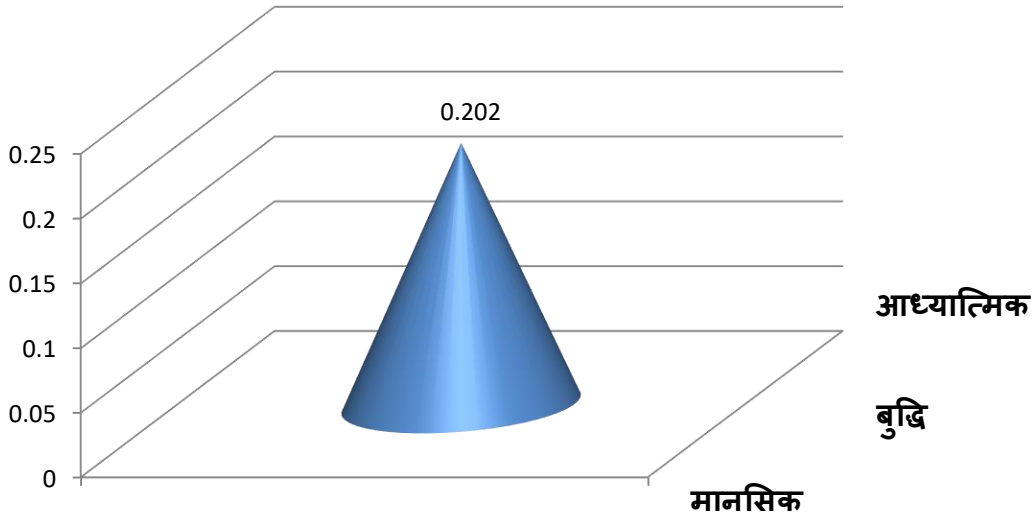

उपर्युक्त सारणी व आरेख से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि का उनके मानसिक स्वास्थ्य के साथ सहसंबंध गुणांक .202 प्राप्त हुआ, जो सहसंबंध व्याख्या सारणी के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सूक्ष्म एव ंनगण्य सहसंबंध को दर्शाता है। परिकल्पना की जांच हेतु गणना मान 5.04 प्राप्त हुआ जो कि .05 एवं .01 सार्थकता स्तर पर निर्धारित सारणी मान 1.96 एवं 2.58 (dt= 598) से ज्यादा है।

अतः निर्धारित परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

अतः 95 प्रतिशत विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सूक्ष्म एव ंनगण्य धनात्मक सार्थक सह संबंध पाया गया है।

भाोध सम्प्राप्तियां

1. राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सूक्ष्म एव ंनगण्य धनात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया। दूसरे शब्दों में उच्च माध्यमिक स्तर के जिन विद्यार्थियों में आध्यात्मिक बुद्धि का स्तर उच्च पाया गया, उनके मानसिक स्वास्थ्य का स्तर भी उच्च पाया गया है। इसके विपरीत जिन विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि का स्तर निम्न पाया गया, उनके मानसिक स्वास्थ्य का स्तर भी निम्न पाया गया।

भौक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत अध्ययन से जो निष्कर्ष सामने आये हैं, वे कई प्रकार की शैक्षिक समस्याओं के निराकरण में सहायक हैं। इसी में इस अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थ छुपे हुए हैं, यथा –

1. प्रस्तुत शोध के परिणामों के आधार पर यह तथ्य निरूपित किया जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व चाहे कितना ही संतुलित क्यों न हो, उन्हें आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से संतुलित किया जा सकता है। इस प्रकार प्रस्तुत शोध आध्यात्मिक शिक्षा को मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व में सुधार के एक ठोस साधन के रूप में प्रतिपादित करता है।
2. विद्यालयी पाठ्यक्रम में सभी धर्मों के आध्यात्मिक मूल्यों को स्थान दिया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी इस भौतिक संसार के अलावा अन्य अलौकिक विषयों का भी चिंतन कर सकें।
3. विद्यार्थियों में आध्यात्मिक बुद्धि के विकास हेतु 'प्रार्थना' को स्थान देना चाहिए। शिक्षकों का प्रार्थना का महत्व बार–बार विद्यार्थियों को समझना चाहिए।
4. विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने के लिए विद्यालय के अधिकारियाों को समय–समय पर बैठकों एएवं सभाओं का आयोजन करना चाहिए। साथ ही सेमीनार, कार्यशालाा व संगोष्ठियों का आयोजन भी किया जाना चाहिए। जिसमें उन्हें मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकाारियों से परिचित कराया जा सकें।
5. विद्यार्थियों की मानसिक अस्वस्थता को दूर करने के लिए विद्यालय में मनोवैज्ञानिक सहायता केन्द्र की व्यवस्था की जानी चाहिए।

संदर्भ (Reference)

- सिंह अरूण कुमार 2010, मनोविज्ञान समाजशाास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां दिल्ली : नरेन्द्र प्रकाश जैन, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशन।
- कैरल, ए. हरबर्ट 1964 मेन्टल हाइजीन प्रक्टिस हॉल, न्यू जर्सी
- भटनागर, सुरेश 2006 शिक्षाा मनोविज्ञान, आर.लाल. बुक डिपो मेरठ
- Hall, G. S. (1904). Adolescence: Its Psychology and its relations to Psychology, Anthropology, Sociology, Sex, Crime, Religion, and Education. New York: D. Appleton & Co.
- Khan, J.A. (2009) Research Methodology, New Delhi: APH Publishing Corporation

- Siddiqui, Z. (2014) "Spiritual Intelligence in Relation to Achievement Motivation crit among students of professional and non-professional courses, Ph.D, Aligarh Muslim University. Retiened from http://hdl.handle.net/10603/40607
- https://sqi.co
- https://en.wikipedia.org
- https://conciousleadership.org
- www.jetir.org
- जैन, राहुल, 2018 ''व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक एवं आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन'', जे.ई.टी.आई.आर (Vol.5 Issue 12)
- दाहिमा, रेखा 2020 ''किशोर विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि, मानसिक स्वास्थ्य तथा व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन'' पी.एच. डी., मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय